पं. फूलचन्द्र शास्त्री अभिनन्दन ग्रन्थ (फोल्डर नं. ९२००४)

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय ----------३

सम्पादकीय ---------- ४

विषयसूची ---------- ९

खण्ड-१ – शुभाशीर्वचन-अभिवादन-संस्मरण

शुभाशीर्वचन ---------- १५

बहुमुखी प्रतिभाके धनी ---------- १६

मंगल कामना ---------- १६

जैन-कर्म सिद्धान्तके प्रौढ़ विद्वान ---------- १६

अध्यात्म विद्याके प्रमुख वेत्ता ---------- १७

आगम साहित्यके निष्काम सेवक ---------- १७

जैन समाज उपकृत है ---------- १७

मेरे प्रेरक ----------१८

अपूर्व श्रुताराधक ----------१८

कर्मठ स्वाभिमानी विद्वान् ----------१८

वक्तृत्व-कृतित्वके स्वयंभू ---------- १९

भूली विसरी यादें ---------- १९

सादगी और सरलताकी जीवन्तमूर्ति ---------- २०

मेरे प्रणाम ---------- २०

एक नमन मेरा भी ---------- २०

सहृदय पंडितजी ----------२१

मेरे श्रद्धा सुमन ----------२१

विविध विशेषताओंके धनी ---------- २२

जैनागम उपासक ---------- २३

संचारिणी ज्ञानशिखा ---------- २३

सरस्वतीके वरद पुत्र ---------- २४

आगमज्ञ लौहपुरुष-पण्डितजी ---------- २४

प्रामाणिक व्यक्तित्व ---------- २७

पूज्य गुरुवर्य – तुम्हें प्रणाम ---------- २८

जैन वाङ्मयके प्रामाणिक विद्वान ---------- २८

जैन सिद्धान्तके महान संरक्षक ---------- २८

कृतज्ञता ज्ञापन ---------- २९

शुभ कामना ---------- २९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अद्भुत व्यक्तित्वके धनी ---------- २९
सरस्वती पुत्र ---------- ३०
अद्भुत ज्ञानके धनी ---------- ३०
युगचेतनाके प्रतीक ---------- ३०
अगाध वैदुष्यके धनी ----------३१
अद्वितीय साहित्य सेवी ---------- ३२
श्रुत देवता सदृश व्यक्तित्व ---------- ३२
सरलताकी प्रतिमूर्ति ---------- ३२
मेरा उन्हें शत शत प्रणाम ---------- ३३
अनुपम विद्वत्ताके धनी ---------- ३३
तीर्थतुल्य वन्दनीय-अभइनव टोडरमल ---------- ३४
क्रान्तिकारी व्यक्तित्व ---------- ३४
अभिनन्दनीयका अभिनन्दन-बनाम जैनसिद्धान्तका अभिनन्दन ---------- ३५
आगठ निष्ठ मनीषी ---------- ३६
सादगी एवं सच्चरित्रताकी साक्षात् मूर्ति ---------- ३६
सादा जीवन उच्च विचारके धनी ---------- ३६
मेरे पितुतुल्य गुरुजी ---------- ३६
सरलता और सहजताके स्रोतोत्तर ---------- ३७
बीनाके रत्न ---------- ३७
पुण्यपुरुष ---------- ३८
सातिशय प्रज्ञाके धनी ---------- ३८
आत्मबलके धनी ---------- ३८
विचक्षण प्रतिभावान् ---------- ३९
प्रेरणास्पद व्यक्तित्व ---------- ४०
देशभक्त पण्डितजी ---------- ४०
पितुतुल्य व्यक्तित्व ---------- ४०
आदरणीय गुरुजी ---------- ४०
मेरी डायरीके पृष्ठोंमें सिद्धान्तशास्त्रीजी ---------- ४१
समाज सेवामें अग्रणी ---------- ४१
किया सुनहरे शब्दोंमें पण्डित रूप चरितार्थ ---------- ४२
शत शत अभिनन्दन हैं ---------- ४३
हों शतायु काटें भव बंधन ---------- ४४
खण्ड-२ – जीवनपरिचय-भेटवार्ता-रेखाचित्र
मेरे पिताजी ---------- ४५
भेंट वार्ता ---------- ६५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

आस्थाके शिखर ---------- ७३
खण्ड-३ – व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व
पूज्य वर्णीजीकी दृष्टिमें पण्डितजी ---------- ७५
पं. टोडरमलके चरण चिह्नोंपर ---------- ७९
जैन भारतीके ओजस्वी सपूत ----------८१
विरल विभूति ---------- ८३
उदार व्यक्तित्वके धनी ---------- ८४
वर्तमान दि. जैन पाण्डित्यकी प्रमुख कड़ी---------- ८६
बहु आयामी विद्वत्ता ---------- ८७
समाजके ज्याति पुंज ---------- ८८
मेरे श्रद्धा सुमन ---------- ८९
प्रेरक व्यक्तित्व ---------- ८९
मेरे दृष्टिदाता विद्यागुरु ---------- ८९
जैन सिद्धान्तके प्रखर विद्वान् ---------- ९०
प्राचीन भारतीय परम्पराके मनीषी ---------- ९०
श्रमण-संस्कृतिके उन्नायक ---------- ९१
समाजके गौरव ---------- ९२
समाजकी विभूति ---------- ९३
जैन सिद्धान्तके मर्मज्ञ ---------- ९३
जिनके प्रति मेरे मनमें सबसे अधिक आदरके भाव हैं ---------- ९४
जैन सिद्धान्तके पारगामी विद्वान् ---------- ९५
बुन्देलखण्डकी माटीसे गढ़ा गया---------- ९६
एक मेधावी व्यक्तित्व ---------- ९७
अचिंत्यनिष्ठा और सत्त लगनकी विभूति ---------- ९८
शत्-शत् नमन ---------- ९९
बीसवीं सदीका चिरयुवा मनस्वी पुष्पदन्त भूतबलि ---------- १०१
सुधारवादी प्रखर विद्वान् नेता ---------- १०२
निर्भीक व्यक्तित्व ---------- १०३
स्वाभिमानी व्यक्तित्व ---------- १०४
खण्ड-४ – साहित्य सर्जना
धर्म और दर्शन
जैन धर्म ---------- १०७
हिंसा और अहिंसा ----------११२
विश्वशान्ति और अपरिग्रहवाद ----------११८
जैनधर्म और वर्ण व्यवस्था ---------- १३०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

देवपूजा ---------- १३९
गुरूपास्ति ---------- १४१
स्वाध्याय ---------- १४३
संयम ---------- १४५
तप ---------- १४७
दान ---------- १४८
सम्यग्दर्शन ---------- १५२
स्वावलम्बी जीवनका सच्चा मार्ग ---------- १५९
साधु औऱ उनकी चर्या ---------- १६०
मुनि और श्रावक धर्म ---------- १६५
जैनदर्शनका हार्द ---------- १७६
कार्य-कारणभाव-मीमांसा ---------- १८२
अनेकान्त औऱ स्याद्वाद ---------- २२०
भावमन सम्बन्धी वाद और खुलासा ---------- २४१
भावमन और द्रव्यमन ---------- २४७
महाबंध-एक अध्ययन ---------- २५२
बन्धका प्रमुख कारण-मिथ्यात्व ---------- २७४
श्रमण परम्पराका दर्शन ---------- २८०
केवली जिन कवलाहार नहीं लेते ---------- २८५
षट्कारक व्यवस्था---------- २८९
स्वभाव-परभाव-विचार ---------- २९४

इतिहास तथा पुरातत्त्व

श्रुतधर-परिचय ---------- ३०५
सम्यक् श्रुत परिचय ---------- ३०८
अंगश्रुतके परिप्रेक्ष्यमें पूर्वगत श्रुत ---------- ३२५
ऐतिहासिक आनुपूर्वीमें कर्म साहित्य ---------- ३३३
पौरपाट अन्वय ---------- ३३८
सिद्धक्षेत्र कुंडलगिरि ---------- ३७०
आहारक्षेत्र-एक अध्ययन ---------- ३८१
श्री जिन तारणतरण और उनकी कृतियाँ ---------- ३८५
अतिशय क्षेत्र निसीजी ---------- ४०९

अनुसन्धान तथा शोधपरक

कषायप्राभृत दिगम्बर आचार्योंकी ही कृति है ---------- ४१७
तत्त्वार्थसूत्र और उसकी टीकाएँ ---------- ४२६
समयसार कलशकी टीकाएँ ---------- ४४३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

पुरुषार्थसिद्ध्युपाय-एक अनुशीलन ---------- ४५९
जैन सिद्धान्तदर्पण-एक अनुचिन्तन ---------- ४७०
तेरानवें सूत्रमें संजद पद ---------- ४८३
सप्ततिका प्रकरण-एक विवेचनात्मक अध्ययन ---------- ४८७
समाज एवं संस्कृति
जैन समाजकी वर्तमान सांस्कृतिक परम्परा ---------- ५१७
जिनागमके परिप्रेक्ष्यमें जिनमंदिर प्रवेश---------- ५२१
सोनगढ़ और जैनतत्त्वमीमांसा ---------- ५२७
धर्म और देवद्रव्य ---------- ५३३
मूलसंघ शुद्धाम्नायका दूसरा नाम तेरापन्थ है ---------- ५३५
वर्ण व्यवस्थाका आन्तर रहस्य ---------- ५४१
महिलाओं द्वारा प्रक्षाल करना योग्य नहीं ---------- ५४४
शिक्षा और धर्मका मेल ---------- ५४९
अध्यात्म-समाजवाद ---------- ५५२
बुन्देलखण्डका सांस्कृतिक वैभव ---------- ५५७
महिला मुक्ति-गमनकी पात्र नहीं ---------- ५५९
पत्रकारिता एवं विविध
आजा का प्रश्न ---------- ५६७
श्री वीरस्वामीका जन्म और उनके कार्य ---------- ५७०
धवलादि ग्रंथोंके उद्धारक सत्प्रयत्न और उसमें बाधाएँ ---------- ५७३
भ. महावीर स्वामीकी जयंती मनाइये ---------- ५७४
फलटणके बीसाहुंबड पंचोंके नाम पत्र ---------- ५७६
समाजका दुर्भाग्य ---------- ५७९
हरिजन मंदिर प्रवेश चर्चा ---------- ५८१
महावीर जन्मदिन ---------- ५८४
सम्प्रदाय जाति और प्रान्तवाद ---------- ५८७
सेवा व्रत ---------- ५८९
अहिंसाका प्रतीक रक्षाबन्धन ---------- ५९१
महावीर निर्वाण दिन-दीपावली---------- ५९२
भावना और विवेक ---------- ५९४
चरमशरीरी भ. बाहुबली ---------- ५९६
मेरे जन्मदाता वर्णीजी ---------- ५९८
मंगल स्वरूप गुरुजी ---------- ६०२
खण्ड-५ – कृतित्व समीक्षा
धवला-जयधवलाके सम्पादनकी विशेषताएँ – डॉ. फूलचन्द्र प्रेमी ---------- ६०७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

महाबन्धकी सैद्धान्तिक समीक्षा – डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन ---------- ६१०
तत्त्वार्थसूत्रटीका-एक समीक्षा – डॉ. पन्नालाल जैन ---------- ६१६
पंचाध्यायटीका – एक अध्ययन – पं. नाथूलाल शास्त्री ---------- ६१८
सर्वार्थसिद्धि-समालोचनात्मक अनुशीलन – डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन ---------- ६२२
अमृतकलशके टीकाकार – पं. जगन्मोहनलाल शास्त्री ---------- ६२५
जैनतत्त्वमीमांसा-एक प्रामाणिक कृति – पं. माणिकचन्द्र भिसीकर ---------- ६२९
जैनतत्त्वमीमांसा-एक समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. उत्तमचन्द्र जैन ---------- ६३२
ज्ञानपीठ-पूजाञ्जलि-एक अध्ययन – डॉ. लक्ष्मीचन्द्र सरोज ---------- ६३६
वर्ण, जाति और धर्म-एक चिन्तन – डॉ. ज्योतिप्रसाद जैन ---------- ६३८
जयपुर (खानिया) तत्त्वचर्चा-एक समीक्षा – पं. प्रकाश हितैषी शास्त्री ---------- ६४३
लब्धिसार-क्षपणासार-एक अनुशीलन – पं. नरेन्द्रकुमार भिसीकर ---------- ६६१
आत्मानुशासन-एक परिशीलन – डॉ. दरबारीलाल कोठिया ---------- ६६७
सम्यग्ज्ञानदीपिका-शास्त्रीय चिन्तन – डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन ---------- ६६९
सप्ततिका प्रकरण-एक अध्ययन – डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन ---------- ६७३
आलापपद्धति-एक समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन ---------- ६७७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org